

पाकिस्तान ने नहीं दिया है भारत को एमएफएन का दर्ज़ा

चर्चा में क्यों

वदिति हो कपाकिस्तान ने अभी तक भारत को एमएफएन (most favoured nation) का दर्ज़ा नहीं दिया है और उसने 1209 वस्तुओं की एक सूची बना रखी है, जनिहें भारत से आयात करने की अनुमतनिही है। हाल ही में सरकार ने कहा है कपाकिस्तान को दयि गए एमएफएन के दर्जे को वापस लेने के संबंध में अब तक कोई फ़ैसला नहीं लयिा गया है।

क्या है एमएफएन का दर्ज़ा ?

- वदिति हो कविश्व व्यापार संगठन और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नियमों के आधार पर व्यापार में सर्वाधिक तरजीह वाला देश (एमएफएन) का दर्ज़ा दयिा जाता है।
- एमएफएन का दर्ज़ा दयि जाने पर देश इस बात को लेकर आश्वस्त रहते हैं कउन्हें व्यापार में नुकसान नहीं पहुँचाया जाएगा। भारत ने पाकिस्तान को 1996 में एमएफएन का दर्ज़ा दयिा था।
- पाकिस्तान को जब यह दर्ज़ा मलिा तो इसके साथ ही पाकिस्तान को अधिक आयात कोटा देने के साथ और उत्पादों को कम ट्रेड टैरफि पर बेचे जाने की छूट मलिती है।
- उल्लेखनीय है कभारत की ओर से पाक को दयिा गया यह दर्ज़ा एकतरफा है। पाकिस्तान ने भारत को ऐसा कोई दर्ज़ा नहीं दयिा है।
- पाकिस्तान ने वर्ष 2012 में भारत को एमएफएन यानी विशेष तरजीह देश का दर्ज़ा देने का ऐलान कयिा था, लेकिन अभी तक वो वादा नहीं नभयिा है।

नषिकर्ष

- दरअसल, एमएफएन का मतलब यह नहीं होता ककिसी देश को विशेष सुवधिएँ और छूट दी जा रही हैं, बल्कइसका मतलब यह है कदिरज़ा प्राप्त देश एक-दूसरे के लयि कसी भी प्रकार की व्यापारिक बाधाएँ उत्पन्न नहीं करेंगे।
- एमएफएन अनविर्य रूप से दो देशों के बीच सबसे अनुकूल व्यापार स्थितियों की गारंटी देता है। इसमें न्यूनतम संभव व्यापार शुल्क, कम से कम व्यापार अवरोध और बेहतर आर्थिक संबंध शामिल हैं।